ED-201

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - I

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जाएँगे।

1. ''साहित्यिक प्रवृत्तियों और रीति-आदर्शों का साम्य-वैषम्य ही साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन का आधार हो सकता है।'' इस कथन से अपनी सहमति-असहमति को तार्किक दृष्टि से व्यक्त करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन संबंधी विभिन्न विद्वानों के विचारों का परिचय दीजिए। 15

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता क्यों है तथा इसमें क्या समस्याएँ हैं ? स्पष्ट कीजिए।

2. रासो काव्य परम्परा का संक्षिप्त परिचय देते हुए रासो काव्य की विशेषताएँ बताइए। 15

अथवा

सिद्धों एवं नाथों के साहित्य की विशेषताएँ बताते हुए इनके पार्थक्य-बिन्दु का परिचय दीजिए।

3. भक्तिकालीन समाज दर्शन की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

भक्ति आन्दोलन विषयक विभिन्न मत्तों का संक्षिप्त परिचय देते हुए भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

4. राम काव्य-धारा एवं कृष्ण काव्य-धारा के साम्य-वैषम्य की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

निर्गुण काव्य-धारा की विशेषताएँ बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2

(क) जैन साहित्य : परिचय

(ख) आदिकालीन लौकिक साहित्य का महत्व

(ग) अष्टछाप के कवियों का साहित्यिक अवदान

(घ) आदिकाल के नामकरण की समस्या

6. (क) (*i*) हिन्दी साहित्येतिहास के आठवीं से बारहवीं शताब्दी तक के समय को 'सिद्ध-सामन्त युग' नाम किस विद्वान ने दिया है ? 1

(*ii*) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' का रचनाकार किसे मानते हैं ? 1

(*iii*) राहुल सांकृत्यायन ने सिद्धों की संख्या कितनी बताई है ? 1

(*iv*) 'संदेश रासक' के रचयिता का नाम लिखिए। 1

(*v*) नाथों की संख्या कितनी मानी गई है ? 1

(ख) उच्चित सम्बन्ध जोड़िए : 5

(*i*) देवसेन — कविप्रिया

(*ii*) लौकिक साहित्य — प्रेमवाटिका

(*iii*) कुतुबन — मृगावती

(*iv*) केशवदास — ढोला-मारू रा दूहा

(*v*) रसखान — श्रावकाचार्य

———

ED-202

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(रासो काव्य, लौकिक एवं निर्गुण काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) सुगंध केस पायसं। सुलग्गि मुत्त छड़िययं।
अनेक पुष्प बीचि गुंथि। भासिता त्रिषंडियं।
मनो सनाम पुष्पु जाति। तीन पंथि मंडियं।
दुति कि नाग चंदनं। चढंग दुन्दू षंडियं।

अथवा

चाँद-सार लये मुख घटना करू; लोचन चकित चकोर।

अमिय धोय आंचर धमि पोंछली, दस दिसि भेज ऊँजारे।

जुग-जुग के विहि बूढ़ निरस, उर कामिनी कोने गढ़ली।

रूप-सरूप मोयं कहइत असंभव लोचन लागि रहली।

गुरु नितंब भरे चलये न पारये मांझ खानि खीनि निभाई।

भागि जात मनसिज धरि राखलि त्रिबलि लता अरुहाई।

(ख) काहे री नलिनी तूँ कुम्हिलानी तेरे ही नालि सरोवर पानी।

जल में उत्पत्ति जल में वास, जल में नलिनी तोर निवास॥

ना तल तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासानि लागि।

कहै कबीर जे उदिक समान, ते नहीं मुवे हमारे जान॥

अथवा

राम रसाइन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुलभ है, मांगे सीस कलाल॥
कबीर माटी कलाल की, बहुतक बैठे आय।
सिर सौंपे सोई पिवै, नहिं तो पिया न जाय॥

(ग) चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा॥
धूम साम धौरे घन धाये। सेत धजा बग पांति देखाये॥
खड़क-बीजू चमके चहुं ओरा। बूंद बान बरसहिं घनघोरा॥
ओनई घटा आई चहुं फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी॥
दादुर मोर कोकिला पीऊ। गिरै बिजू घट रहै न जीऊ॥

अथवा

जेठ जरै जग चलै लुवाटा। उठहीं बवंडर परहिं अंगारा॥
बिरह गाजि हनुवंत होइ जागा। लंका-दाह करै तनु लागा॥

चारिहु पवन झकोरे आगी। लंका दाहि पलंका लागी॥

दहि भइ साम नद कालिंदी। बिरहक आगि कठिन अति मंदी॥

उठै आगि औ आवै आंधी। नैन न सूझ मरौं दुख बांधी॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' के महाकाव्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. 'पद्मावत' के दार्शनिक पक्ष का उद्घाटन कीजिए। 10

अथवा

संत काव्य की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

4. विद्यापति की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

भक्तिकालीन कविता के आधार पर निरगुन और सगुन का भेद स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5

(*i*) रासो का अर्थ

(*ii*) साखी का अर्थ

(*iii*) 'पद्मावत' का प्रतीकार्थ

(*iv*) ज्ञानमार्गी काव्य-धारा

(*v*) रहीम के दोहे

(*vi*) रसखान की काव्य-भाषा

(*vii*) संत कवि रैदास

(*viii*) मीरा के ईष्टदेव

(*ix*) खुसरो की मुकरियां

(*x*) विद्यापति की श्रृंगार दृष्टि

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(*i*) वीरगाथा काल को और किस नाम से जाना जाता है ?

(*ii*) भक्तिकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?

(*iii*) चंदवरदायी किस राजा के सेनापति थे ?

(*iv*) 'पृथ्वीराज रासो' की नायिका कौन हैं ?

(*v*) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(*vi*) कबीर की काव्यभाषा को किस नाम से जाना जाता है ?

(*vii*) 'कवितावली' किस भाषा में लिखी गई है ?

(*viii*) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(*ix*) 'कीर्तिलता' किसकी कृति है ?

(*x*) भक्ति काव्य में 'मर्यादा पुरुषोत्तम' किसे कहा गया है ?

(*xi*) केशवदास की किसी एक कृति का नाम लिखिए।

(*xii*) 'भ्रमरगीत' किसकी रचना है ?

(*xiii*) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा गया है ?

(*xiv*) रामभक्ति काव्यधारा के किसी एक कवि का नाम लिखिए।

(*xv*) हिन्दी का पहला महाकाव्य किसे माना जाता है ?

(*xvi*) बिहारी के आराध्य देव का नाम लिखिए।

(*xvii*) 'पद्मावत' में नागमती कहाँ की रानी बताई गई है ?

(*xviii*) भक्तिकाल के किस कवि को समाज सुधारक भी कहा जाता है ?

(*xix*) 'बिनु पानी सब सून' पंक्ति के लेखक कौन हैं ?

(*xx*) 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखा गया है ?

———

ED-203

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - III

आधुनिक काव्य - I
(द्विवेदी युगीन एवं छायावाद काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) उस रूदन्ती विरहिणी के रूदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के ?

अथवा

सखि, मैं भव-कानन में निकली
बनके इनकी वह एक कली।
खिलते-खिलते जिससे मिलने
उड़ आ पहुँचा हिल हेम-अली।
मुसकाकर अलि, लिया उसको

बत लौं यह कौन बयार चली
'पथ देखा जियो' यह गूँज यहाँ
किस ओर गया वह छोड़ छली ?

(ख) इस दुखमय जीवन का प्रकाश!
नभ नील लता की डालों में उलझा अपने सुख से हताश,
कलियाँ जिसको मैं समझ रहा वे काँटे बिखरे आस-पास
कितना बीहड़ पथ चला और पड़ रहा कहीं थककर नितांत
उन्मुक्त शिखर हँसते मुझ पर रोता मैं निर्वासित अशांत।

अथवा

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय
रह-रह उठता जग-जीवन में रावण-जय-भय,
जो नहीं हुआ आज तक हृदय रिपु-दभ्य-श्रान्त,
एक भी अयुत-लक्ष में रहा जो दुराक्रांत,
कल लड़ने को हो रहा विकल वह बार-बार,
असमर्थ मानता मन उद्यत हो हार-हार।

(ग) धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित कर न सका।
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा सकुचित-काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ समर।

अथवा

पथ को न मलिन करता आना,
पद-चिन्ह न दे जाता जाना,
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अन्त खिली
विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही,
उमड़ी कल थी मिट आज चली।

2. राष्ट्रकवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त जी का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

साकेत के नवम् सर्ग में करुणा और लोकमंगल की भावना की विवेचना कीजिए।

3. कामायनी में बुद्धिवाद के विकास-क्रम को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

कामायनी छायावाद की उच्च कोटि की रचना है। समझाइए।

4. ''निराला के काव्य में विद्रोह का मुखर स्वर है तो दूसरी ओर मानवीय नियति और विवशताओं की करुण रागिनी भी।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

महादेवी वर्मा की काव्य-कला की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) श्रीधर पाठक का साहित्य-संसार

(*ii*) 'साकेत' की नायिका कौन हैं ?

(*iii*) 'आकाशदीप' किसकी रचना है ?

(*iv*) जयशंकर प्रसाद की भाषा की प्रमुख विशेषता।

(*v*) 'स्पर्धा में जो उत्तम ठहरें वे रह जाते।' यह पंक्ति कामायनी के किस सर्ग की है ?

(*vi*) निराला जी के किन्हीं तीन रचनाओं के नाम बताइए।

(*vii*) 'राम की शक्ति पूजा' किस प्रकार की रचना है ?

(*viii*) मुकुटधर पाण्डेय की रचनाएँ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** अति लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'हम कौन थे ? क्या हो गए ? क्या होंगे अभी ?' किस कवि की पंक्ति है ?

(*ii*) जयशंकर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(*iii*) किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम बताइए।

(*iv*) कामायनी में कितने सर्ग हैं ?

(*v*) 'तुलसीदास' किस कवि की रचना है ?

(*vi*) 'रूपसी तेरा केश-पाश' किसकी रचना है ?

(*vii*) 'ग्राम्या' के रचयिता कौन हैं ?

(*viii*) ''छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।'' किसने कहा ?

(*ix*) छायावाद की काल-सीमा बताइए।

(*x*) हरिऔध जी के दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*xi*) 'जूही की कली' किसकी काव्य रचना है ?

(*xii*) छायावाद को छायावाद नाम किसने दिया ?

———

ED-204

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - IV

आधुनिक गद्य साहित्य
(नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ और प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

(क) चतुर सेवक के समान संसार को जगाकर अंधकार हट गया, रजनी की निस्तब्धता

काकली से चंचल हो उठी है। नीला आकाश स्वच्छ होने लगा है, या निद्राक्लांत निशा, उषा की शुभ्र चादर ओढ़कर नींद की गोद में लेटने चली है। यह जागरण का अवसर है। जागरण का अर्थ है कर्मक्षेत्र में अवतीर्ण होना और कर्मक्षेत्र क्या है? जीवन संग्राम!

(ख) महाराज का हुक्म सिर-आँखों पर। मै हाजिर हूँ .... घड़ी बन सकती है, घड़ी बनानेवाला अन्धा भी हो सकता है, मर भी सकता है, लेकिन यह बहुत बड़ी बात नहीं है। जेकब जला गया, ताकि घड़ी का भेद जिंदा रह सके, और यही सबसे बड़ी बात है।

(ग) संजय, फिर भी रहूँगा शेष
फिर भी रहूँगा शेष
सत्य कितना कटु हो
कटुत्तर से कटुत्तम हो
फिर भी कहूँगा मैं
केवल सत्य, केवल सत्य, केवल सत्य
है अन्तिम अर्थ
मेरे .... आह!

(घ) अब मुझे कह लेने दीजिए, बाबूजी! .... ये जो महाशय मेरे खरीददार बनकर आए हैं, इनसे जरा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता? क्या उनको चोट नहीं लगती? क्या वे बेबस भेड़-बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं?

(ङ) कहीं भी रहती .... कहीं भी जाती, फिर भी मेरी आँखों में भारत नया नहीं लगता। इसकी चाल कभी रुकी नहीं, न यह कभी मरा, न मिटा, एक साँस भी इसकी कब बन्द हुई, बतायेंगे? इसने कितने देशों को जन्म लेते और मरते अपनी आँखों से देखा है। इसकी आयु की, इसकी संजीवनी की भी प्रतिष्ठा कीजिए।

(च) आदमी की बुनियादि प्रवृत्तियों पर नित्य नए दिन चढ़ते चले जाने वाले पर्दों का नाम ही तो संस्कृति है, सोसाइटी के एक वर्ग के लिए दूसरा वर्ग हमेशा असभ्य और गँवार रहेगा, फिर कहाँ तक आदमी

सभ्यता और संस्कृति के पीछे भागे, और रही सुरूचि, तो यह भी अभिजात वर्ग की 'स्नाब्री' का दूसरा नाम है।

इकाई-II

2. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए उनका सोदाहरण चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

नाट्य-तत्त्वों के आधार पर 'हानूश' नाटक की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

इकाई-III

3. '' 'एक दिन' एकांकी भारतीय स्त्री की गरिमा को रेखांकित करते हुए आधुनिकता से उसके संघर्ष को दर्शाता है।'' इसकी सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

एकांकी-तत्त्वों के आधार पर 'ताँबे के कीड़े' एकांकी का विश्लेषण कीजिए।

इकाई-IV

4. 'आवारा मसीहा' में विष्णु प्रभाकर ने शरतचन्द्र के व्यक्तित्व की मुख्यत: किन विशेषताओं को उद्‌घाटित किया है? सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

आत्मकथागत तत्त्वों के परिप्रेक्ष्य में 'जूठन (भाग एक)' आत्मकथा की समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(*i*) 'हानूश' नाटक की कथावस्तु

(*ii*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में 'चाणक्य' पात्र की भूमिका

(*iii*) 'एक दिन' एकांकी के नाम की सार्थकता

(*iv*) 'तौलिए' एकांकी का भाषागत वैशिष्ट्य

(*v*) 'पथ के साथी' चरितात्मक कृति का परिचय

(*vi*) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का उद्देश्य

(*vii*) धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

(*viii*) ओम प्रकाश बाल्मीकि का अवदान

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** के अतिसंक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(*i*) 'चाणक्य' किसके गुरु थे ?

(*ii*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में कितने अंक हैं ?

(*iii*) हानूश ने क्या बनाया था ?

(*iv*) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(*v*) 'अंधा युग' किस कोटि का नाटक है ?

(*vi*) 'आवारा मसीहा' किस उपन्यासकार पर केन्द्रित कृति है ?

(*vii*) 'ध्रुवस्वामिनी' किसकी नाट्यकृति है ?

(*viii*) शीला किस एकांकी की पात्र हैं ?

(*ix*) हिन्दी एकांकी का प्रवर्तक किसे कहा जाता हैं ?

(*x*) 'अन्धा युग' का युयुत्सु कौरव था या पाण्डव ?

(*xi*) कार्नेलिया किसकी पुत्री थी ?

(*xii*) पाठ्यक्रम का कौन-सा एकांकी अमूर्त कोटि (एब्सर्ड) का है ?

———